सुविचार कुछ ऐसा करो जो लिखने लायक हो ओर कुछ ऐसा लिखों,जो पढने लायक हो - बैजमिन फ्रैंकलिन l

डीजिटल संस्करण https://sbpatra.in पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

सम्पादक-मधुसूदन शर्मा
सह सम्पादक-बृजेश कुमार शर्मा

वर्ष -२ अंक -५२ सोमवार –३०/०६/२०२५ पृष्ठ – ४ प्रति सोमवार डीजिटल संस्करण

सम्पादकीय

भारत की दो टूक

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन के सम्मेलन में संयुक्त बयान पर हुआ घटनाक्रम चीन और पाकिस्तान का आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई को कमजोर करने का प्रयास है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बयान पर हस्ताक्षर नही किये । बैठक में रक्षा मंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि आतंकियों, उनके समर्थकों, फंडिंग करने वालों और सीमा पार से आतंक फैलाने वालों को जवाबदेह ठहराना जरूरी है। लेकिन, जब भारत ने यह प्रस्ताव दिया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को संयुक्त बयान में शामिल किया जाए, तो चीन और पाकिस्तान ने मिलकर इसका विरोध किया। पाकिस्तान की ओर से यह कोशिश की गई कि बलूचिस्तान में हुई घटनाओं और वहां की स्थिति को संयुक्त बयान में जगह मिले। यह एक सोची–समझी रणनीति थी। वर्तमान ब्ब अध्यक्ष होने के नाते सदस्यों के बीच संतुलन की जिम्मेदारी चीन की थी, लेकिन उसने हमेशा की तरह पाकिस्तानी अजेंडे को आगे बढ़ाया। भारत के रुख से उसे झटका लगा है। संयुक्त बयान जारी न होना बड़ी नाकामी है। बलूचिस्तान के मानवीय संकट को आतंकवाद का रूप देकर पाकिस्तान वहां के लोगों पर हो रहे अत्याचारों को छिपाना चाहता है। वह भारत पर झूठे आरोप लगाकर अंतरराष्ट्रीय सहानुभूति बटोरने की पुरानी रणनीति पर चल रहा है। वहीं चीन, जो खुद शिनच्यांग में उइगुर मुस्लिमों के खिलाफ दमनकारी नीतियों के लिए बदनाम है, पाकिस्तान की इसी भाषा का समर्थन कर रहा है। दोनों को ही पता है कि आतंकवाद पर होने वाली किसी भी बात का सिरा पाकिस्तान तक ही पहुंचेगा। चीन ऐसा नहीं होने दे सकता, क्योंकि भारत के खिलाफ इस्लामाबाद उसका मोहरा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला से विडियों कॉल पर की बात , शुक्ला ने बताया यहा रोज सौलह सूर्योदय ओर सूर्यास्त देखते है l

वायु सैना के ग्रुप केप्टन शुभांशु ने मोदी से कहा अतंरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक्सियम मिशन 4 पर गए भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला से वीडियो कॉल पर बातचीत की। शुभांशु ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा– अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है। हम दिन में 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शुभांशु शुक्ला से पूछा कि आप गाजर का हलवा लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए हैं। क्या आपने अपने साथियों को खिलाया। इस पर शुभांशु ने कहा कि हां साथियों के साथ बैठकर खाया। भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु दो दिन पहले 26 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे हैं। वे 41 साल बाद स्पेस में जाने वाले भारतीय हैं। वे एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे सभी एस्ट्रोनॉट के साथ आईएसएस के लिए रवाना हुए थे। स्पेसएक्स के फाल्कन–9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी। ये मिशन तकनीकी खराबी और मौसमी दिक्कतों के कारण 6 बार टाला गया था।

नीमच की धरा पर उपमुख्यमंत्री देवडा ने बताया आपतकाल लोकतंत्र पर सबसे बडा हमला ,स्वंय की सत्ता बचानो के लिए देश पर थोपा गया आपातकाल

उप मुख्यमंत्री देवडा ने सविधान हत्या दिवस कार्यक्रम मे यह बात कही

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने आपातकाल को लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला बताया। नीमच के लायंस डेन में आयोजित संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा– सिर्फ सत्ता बचाने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान को ताक पर रख दिया, मौलिक अधिकार छीन लिए, लाखों लोगों को जेल में डाल दिया। हमें युवाओं को लोकतंत्र की रक्षा के लिए जागरूक करना होगा। कार्यक्रम के दौरान एक प्रदर्शनी भीलगाई गई, जिसमें आपातकाल कीघटनाओं को चित्रों और दस्तावेजो के माध्यम से दर्शाया गया। जेल से लौटे लोकतंत्र सेनानियों ने अपनी आपबीती साझा की। इसके बाद पत्रकार वार्ता में देवड़ा ने कहा कि कांग्रेस का असली चरित्र है। इंदिरा गांधी ने अपने पद को बचाने के लिए देश पर आपातकालथोपा और संविधान की हत्या की। विपक्ष को जेल में डाला गया, जनतापर अत्याचार हुए। हमें इस काले अध्याय को कभी नहीं भूलना चाहिए। मीसा बंदियों को यातनाएं दीं गईं – भाजपा नेता जगदीश अग्रवाल ने आपातकाल के दौरान मीसा बंदियों को दी गई यातनाओं का वर्णन किया।

भारत अमेरिका के बीच बडी ट्रेड डील की संभावना ,ट्रम्प का दाव हमने चीन के साथ डील की अब भारत के साथ करेंगे

ट्रम्प मे व्हाईट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में ये बात कही ।

भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक बड़ी ट्रेड डील होने वाली है। ये बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में हुए शबिग ब्यूटीफुल बिलश इवेंट में कही। ट्रम्प ने बताया कि अमेरिका ने हाल ही में चीन के साथ व्यापार समझौता किया है और अब भारत के साथ भी ऐसा ही कुछ बड़ा होने वाला है। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के करीब 100 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया था। इसमें भारत पर 26: टैरिफ लगा। फिर 9 अप्रैल को ट्रम्प प्रशासन ने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया। ट्रम्प ने ये समय भारत जैसे देशों को डील पर फैसले लेने के लिए दिया है। ट्रम्प का कहना है कि उनकी टैरिफ नीति से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। ऐसे में भारत और अमेरिका इस डील का पहला चरण जुलाई 2025 तक पूरा करना चाहते हैं।

अमेरिकी पुर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा का दावा अमेरिका लोकतंत्र से भटक रहा ट्रम्प सरकार देश को खोखला कर रही l

ओबामा ने १७ जून को एक कार्यक्रम सम्बोधन मे कहा ।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने पिछले हफ्ते अमेरिकी राज्य कनेक्टिकट के हार्टफोर्ड शहर में एक कार्यक्रम में भाषण दिया। प्रसिद्ध इतिहासकार हीदर कॉक्स के साथ चर्चा में ओबामा ने देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चिंता जताई और युवाओं से देश को बचाने की अपील की। ओबामा ने ट्रम्प सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग आज अमेरिका की सरकार चला रहे हैं, वे लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जरूरी है कि सरकार के बाहर और अंदर दोनों जगह से गलत चीजों का विरोध हो। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। ओबामा ने कहा कि व्यापारिक सौदों में डराया जा रहा है, जो केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक रूप से भी खतरनाक है। उन्होंने अपने कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि चीन की बढ़ती ताकत के बावजूद उन्होंने टैरिफ जैसे उपायों का बेजा इस्तेमाल नहीं किया था, क्योंकि यह अमेरिका की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने ट्रेड वॉर को गलत बताते हुए कहा कि इससे देश की गरिमा खतरे में है।

कोलकाता गैंगरेप केस मे मेडिकल जाँच में दुष्कर्म की पुष्टि ।

शरीर पर काटने ,खरोचने के निशान मिले ।

कोलकाता के लॉ कालेज में गैंगरेप की पीड़ित छात्रा की मेडिकल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हो गई है। मेडिकल जांच कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में की गई थी। कस्बा पुलिस के अधिकारी के मुताबिक पीड़ित के साथ जबरदस्ती करने, शरीर पर काटने और नाखून से खरोंचने के निशान मिले हैं। उससे मारपीट की भी पुष्टि हुई है। गैंगरेप केस के तीनों आरोपियों को कोर्ट ने पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। उधर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने घटना को लेकर विवादित बयान दिया। बनर्जी ने कहा– अगर कोई दोस्त अपने दोस्त के साथ बलात्कार करता है तो क्या किया जा सकता है। घटना 25 जून को हुई थी, वारदात कॉलेज के ग्राउंड फ्लोर के गार्ड रूम में हुई थी। आरोपियों में मनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) शामिल हैं। मनोजीत मुख्य आरोपी है और कॉलेज का पूर्व छात्र है। जबकि जैब और प्रमित कॉलेज के छात्र हैं।

राजा हत्याकांड शिलॉन्ग पुलिस को फोरेंसिक रिपोर्ट इंतजार

जाँच रिपोर्ट मे एफएलएस महत्वपुर्ण

राजा रघुवंशी हत्याकांड को लेकर अब शिलॉन्ग पुलिस की जांच फोरेंसिक रिपोर्ट पर टिकी हुई है। पुलिस का मानना है कि भले ही आरोपियों को सजा दिलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। फिर भी विशाल की खून से सनी शर्ट, सोनम की रेनकोट और हत्या में इस्तेमाल किए हथियार पर लगे ब्लड की जांच रिपोर्ट सुनवाई के दौरान अहम साबित होगी। वहीं, इंदौर से बुधवार को शिलॉन्ग पुलिस कॉन्ट्रैक्टर शिलोम जेम्स, चौकीदार बलवीर अहिरवार और बिल्डिंग मालिक लोकेंद्र तोमर को अपने साथ ले गई है। वहां कोर्ट ने तीनों को 6 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। उनसे कई बिंदुओं पर पूछताछ होगी। विशाल, सोनम और राज से उनका आमना–सामना भी कराया जाएगा।

दुबई से जयपुर जा रही फ्लाईट मे एयर होस्टेज से छेडछाड ।

शरब पी ने से रोकने पर करी हरकत

दुबई से जयपुर आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में महिला क्रू मेंबर (एयर होस्टेस) के साथ पैसेंजर ने छेड़खानी की। पहले तो उसने फ्लाइट में ही शराब पी। आरोप है कि महिला क्रू मेंबर के मना करने पर बदतमीजी करने लगा। नशे में उसने हंगामा भी किया। पीछे से गलत तरीके से टच तक किया। इसकी शिकायत जयपुर के एयरपोर्ट थाने में दी गई है। फिलहाल आरोपी युवक पुलिस की हिरासत में है। सीआईएसएफ के जवानों ने हंगामा कर रहे पैसेंजर को एयरपोर्ट थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। यहां पैसेंजर से पूछताछ की जा रही है। महिला क्रू मेंबर ने इस मामले की लिखित शिकायत भी दी है। घटना दुबई से जयपुर आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट प – 196 की है।

डिजीटल संस्करण
https://sbpatra.in
पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र (समाचार पत्र)

https//:sbpatra.in

पर डिजिटल संस्करण उपलब्ध

YouTube

SWATANTRA BODDHIK PATRA

खबरों के लिए लोगिंन करे !

https://sbpatra.in/

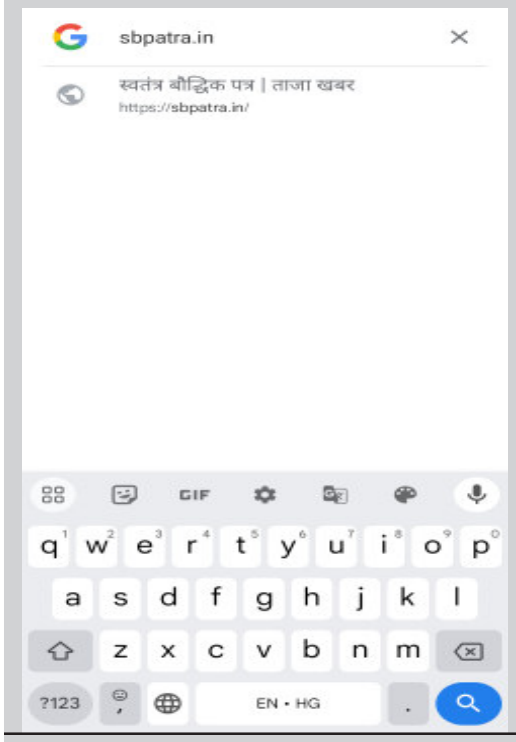

(1) गुगल सर्च करे - https://sbpatra.in/

(2) होम पेज पर केटेगिरी मे जाए

(3) ई-पेपर केटेगिरी चुने

(4) समाचार पत्र आपके सामने क्लिक करे !

नि:शुल्क ई-पेपर प्रति सोमवार को वेब पोर्टल https://sbpatra.in/ से डाउनलोड कर सकते है।

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र (समाचार पत्र)
https//:sbpatra.in
पर डिजिटल संस्करण उपलब्ध

इजराइल में माइक्रोसॉफ्ट के पास गिरी ईरानी मिसाइल छः घायल अमेरिका बोला ईरान परमाणु बम बनने के नजदीक

ईरान परमाणु बम के नजदीक है सवोच्चय नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के आदेश का इंतजार

ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई। आस–पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। इसमें 6 लोग घायल हो गए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले गुरुवार को भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। ईरान के शुक्रवार सुबह मिसाइल हमले के बाद बीर्शेबा शहर में पार्किंग में खड़ी कई गाड़ियों में आग लग गई। ईरान के शुक्रवार सुबह मिसाइल हमले के बाद बीर्शेबा शहर में पार्किंग में खड़ी कई गाड़ियों में आग लग गई।न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आदेश दे दें, तो ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु बम बना सकता है। लेविट ने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। अब बस उन्हें अपने नेता के हां कहने भर की देर है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो इससे सिर्फ इजराइल नहीं, बल्कि अमेरिका और पूरी दुनिया की सुरक्षा को खतरा होगा।

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

ऑपरेशन सिंदुर में तबाह आंतकी ठिकानो की पाक आर्मी चीफ असिम मुनीर करा रहे मरम्मत ।

सरकार ने अब तक 40 करोड का फण्ड जारी किया ।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई की रात को पाकिस्तान और च्वज्ञ के अंदर मौजूद कई आतंकी ठिकानों को सटीक हमलों में तबाह कर दिया था। इनमें आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद के ठिकाने शामिल थे। अब, पाकिस्तान आर्मी उसे फिर से ठीक करा रही है।पाक सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने खुद दखल देते हुए इन आतंकी ठिकानों को रिस्टोर के लिए अब तक 40 करोड़ रूपए का सरकारी फंड जारी किया है। यह फंडिंग उन मदरसों और मस्जिदों तक भी पहुंच रही है जिनका सीधा संबंध लश्कर और जैश जैसे संगठनों से रहा है। मुनीर ने तबाह अड्डों को 11 दिन में ठीक करने को कहा – च।ज्ञ आर्मी चीफ मुनीर ने मरकज सुब्हान अल्लाह परिसर, बिलाल मस्जिद, उम्मुल कुर्रा, जामिया दावा इस्लामी मदरसा व भारतीय हमलों में तबाहहुए अन्य आतंकी ठिकानों को रिपेयर करने की डेडलाइन 31 जून तय की है। दरअसल, 1 जुलाई से पाकिस्तान में मदरसे खुलेंगे। पहले मदरसे 20 जून से खुलने थे, लेकिन इनके ठीक न हो पाने के चलते मदरसे खुलने की तारीख बदल दी गई है। मुनीर ने इन्हें रिपेयर करने के लिए एक टीम बनाई है। वह खुद इन कामों की निगरानी कर रहे हैं। जिससे साफ है कि पाक अपने यहां पाले गए आतंकवाद को फिर खड़ा कर रहा है।

पाकिस्तान ने फिर माना भारत ने नूर खान-शेरकोट एयरबेस तबाह किया

पाकिस्तान उप प्रधानमंत्री ईशाक डार ने खुलासा करते हुआ स्वीकारा की भारत से एयर बेस का नुकसान हुआ ।

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने पहली बार माना है कि भारत ने उनके दो बड़े एयरबेस नूर खान और शोरकोट एयरबेस पर हमला किया था। डार ने जियो न्यूज पर खुलासा करते हुए बताया कि 6–7 मई की रात को पाकिस्तान जवाबी हमला करने की तैयारी कर रहा था, तभी भारत ने दोबारा स्ट्राइक कर दी और नूरखान–शोरकोट एयरबेस को निशाना बनाया।

इससे पहले पाकिस्तान सरकार और सेना ने भारत के हमले की बात को नकारा था। हालांकि, कुछ समय बाद पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने और अब डिप्टी पीएम इशाक डार ने हमलों की पुष्टि कर दी है।वहीं, डार ने सीजफायर के पीछे सऊदी प्रिंस की पहल होने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि, ₹6–7 मई की रात को हमले के 45

मिनट बाद सऊदी प्रिंस ने फोन कर भारत से बातचीत का प्रस्ताव दिया था, फिर हमारे हां कहने पर उन्होंने भारत से बातचीत की थी।

दरअसल, 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है।

सात साल बाद चीन में कोई भारतीया नेता जाएगा । रक्षामंत्री राजनाथ मीटिंग में हिस्सा लेन चीन जाएँगे।

एससीओ की बैठक मे भारते के रक्षामंत्री राजनाथ करेंगे चीन का दौर

राजनाथ सिंह की मुलाकात चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से द्विपक्षीय वार्ता के तौर पर भी होगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच वीजा नीति, कैलाश यात्रा, जल आंकड़ों का साझा करना और हवाई संपर्क बहाल करने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है।

दिसंबर 2024 में पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद पर समझौता हुआ – भारत–चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में 2020 से सीमा विवाद को लेकर तनाव था। दो साल की लंबी बातचीत के बाद दिसंबर 2024 एक समझौता हुआ है। इसमें तय हुआ कि दोनों सेनाएं विवादित पॉइंट्स देपसांग और डेमचोक से पीछे हटेंगी।

18 अक्टूबररू देपसांग और डेमचोक से पीछे हटने की जानकारी सामने आई थी। इसमें बताया गया था कि यहां से दोनों सेनाएं अप्रैल 2020 से पहली की स्थिति में वापस लौटेंगी। साथ ही उन्हीं क्षेत्रों में गश्त करेंगी, जहां अप्रैल 2020 से पहले किया करती थीं। इसके अलावा कमांडर लेवल मीटिंग होती रहेगी।2020 में भारत–चीन के सैनिकों के बीच गलवान झड़प के बाद से देपसांग और डेमचोक में तनाव बना हुआ था। करीब 4 साल बाद 21 अक्टूबर को दोनों देशों के बीच नया पेट्रोलिंग समझौता हुआ। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया था कि इसका मकसद लद्दाख में गलवान जैसी झड़प रोकना और पहले जैसे हालात बनाना है।

राजनाथ की चीनी रक्षा मंत्री से द्विपक्षीय वार्ता होगी – राजनाथ सिंह की मुलाकात चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से द्विपक्षीय वार्ता के तौर पर भी होगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच वीजा नीति, कैलाश यात्रा, जल आंकड़ों का साझा करना और हवाई संपर्क बहाल करने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है।

दिसंबर 2024 में पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद पर समझौता हुआ – भारत–चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में 2020 से सीमा विवाद को लेकर तनाव था। दो साल की लंबी बातचीत के बाद दिसंबर 2024 एक समझौता हुआ है। इसमें तय हुआ कि दोनों सेनाएं विवादित पॉइंट्स देपसांग और डेमचोक से पीछे हटेंगी।

ट्रम्प की पाकिस्तान आर्मी चीफ से बंद कमरे मे मुलाकात

अमेरिका मे पहली बार किसी राष्ट्रपति ने सेना चीफ की मेजबानी की ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर से बंद कमरे में मुलाकात की। दोनों ने व्हाइट हाउस के कैबिनेट रूम में साथ लंच किया। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की है।

यह मुलाकात मुनीर के ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग वाले बयान के बाद हुई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया कि मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया है। उनके इस बयान के सम्मान में ट्रम्प ने उन्हें लंच पर बुलाया था। आसिम मुनीर अभी अमेरिका के दौरे पर हैं। ट्रम्प से उनकी मुलाकात से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से 35 मिनट तक फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान मोदी ने साफ कहा था कि 7 से 10 मई तक चले ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं के बीच बातचीत के बाद सीजफायर हुआ था। किसी बाहरी मध्यस्थता के माध्यम से नहीं।

इजराइल-ईरान में संर्घष के दौरान इजराइल मेडिकल सेंटर पर ईरानी मिसाइल गिरी , इससे पब्लिक इफ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान

मिसाइल गिरने के बाद इजरईल मे अफरा तफरी , रिपोर्ट के मुताबीक इजराईल का बजट गाजा युद्ध मे खर्व कफि खर्व हो गया है।

ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष सिर्फ सैन्य नहीं, अब आर्थिक संकट में भी बदलता जा रहा है। पूर्व इजराइली रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल रीम एमीनाक के मुताबिक, इजराइल का रोजाना युद्ध लड़ने में 725 मिलियन डॉलर (करीब घ6,000 करोड़) खर्च हो रहा है। इसमें केवल मिसाइल, जेट ईंधन, बमबारी और सैनिक तैनाती जैसे सीधे खर्च शामिल हैं। पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को हुए नुकसान और प्रोडक्टिविटी में गिरावट को भी जोड़ा जाए, तो असल खर्च इससे कहीं ज्यादा हो सकता है।इजराइली वित्त मंत्रालय ने 2025 मेंघटाकर 3.6: कर दिया है। वहीं, 2025 में पहले से तय बजट घाटे की सीमा 4.9 से बढ़ सकती है।

ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह मिसाइल हमला किया। इससे कई गाड़ियों में आग लगा गई। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह मिसाइल हमला किया। इससे कई गाड़ियों में आग लग गई।

पहले 2 दिन में ही घ12,500 करोड़ रूपए खर्च हुए – 13 जून को ईरान पर अटैक के बाद पहले दो दिन में इजराइल का खर्च 1.45 अरब डॉलर (करीब घ12,500 करोड़ रूपए) तक पहुंच गया था। इसमें से 593 मिलियन डॉलर (करीब घ5 हजार करोड़) बमबारी और जेट ईंधन और बाकी रक्षा संचालन में गए।

बजट घाटा बढ़ने और ळक्ब गिरने का अनुमान – इजराइल के वित्त मंत्रालय ने 2025 के लिए जो बजट घाटे की सीमा तय की थी, वह ळक्ब का 4.9: यानी लगभग 27.6 अरब डॉलर थी। लेकिन यह अनुमान ईरान के साथ नया युद्ध शुरू होने से पहले का था। अब इजराइल का बजट घाटा और बढ़ सकता है। वहीं, इजराइल का रक्षा बजट पहले ही गाजा युद्ध में काफी खर्च हो चुका है। इसी वजह से वित्त मंत्रालय ने 2025 में ळक्ब ग्रोथ रेट का अनुमान 4.3: से घटाकर 3.6: कर दिया है।

खबरों के लिए लोगिंन करे

https://sbpatra.in/

स्वत्वाधिकार सम्पादक प्रकाशक मधुसूदन शर्मा / डिजिटल संस्करण प्रति सोमवार स्वतंत्र बौद्धिक पत्र समाचार पत्र की आधिकारीक बेवसाइट https://sbpatra.in/ पर उपलब्ध है। अन्य वेब या डिजिटल माध्यमों पर इसे प्रकाशित या इस नाम से , अन्य सामग्री जैसे समाचार पत्र प्रकाशन या इस नाम से कोइ वेब डोमेन खरीदना , दण्डनीय अपराध होगा ,ऐसा करने पर वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है । - सम्पादक मधुसूदन शर्मा